Tender Heart High School, sector- 33B Chandigarh

कक्षा - दूसरी विषय. हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग - 2 टीचर- सुमन शर्मा

उपविषय - पाठ - 9 (उबंटू)

सुप्रभात बच्चो!

यह पाठ कक्षा - दूसरी, विषय - हिन्दी, पाठ्य पुस्तक नवतरंग - 2, पाठ नं० 9, पेज नं० 62 से लिया गया है।

बच्चो! आज हम पाठ नं० 9 'उबंटू' पढ़ेंगे। सभी बच्चे अपनी पुस्तक का पेज नं० 61 खोल लें। चलिए, पढ़ना शुरू करते हैं।

इस कहानी में मेल-जोल से प्यार की भावना को बढ़ावा मिलते हुए दिखाया गया है।

आदित्य प्रकाश जी कुछ दिन पहले ही गाँव आए थे। हर रोज़ शाम को वे घर के सामने लगे गुलमोहर के पेड़ के नीचे बैठ जाते थे। आस-पास के बच्चे वहाँ आकर खेलते थे। वे बच्चों से बात करते थे। पास में एक अमरूद का पेड़ था। जब कभी पका अमरूद किसी बच्चे को मिलता, तो सब मिल-बाँटकर खा लेते थे। बच्चों का आपसी प्रेम देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगता था।

एक दिन उन्होंने एक खेल की योजना बनाई। उन्होंने गुलमोहर के पेड़ के नीचे एक डिब्बा रखा। उसमें उन्नीस लड्डू रख दिए। पास ही बच्चे छुपन-छुपाई खेल रहे थे। एक बच्चा अर्पण जैसे ही पेड़ के पीछे छिपने आया कि अचानक रुक गया। उसकी नज़र लड्डुओं से भरे डिब्बे

कक्षा - दूसरी

विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-1 (उबंटू)

टीचर - सुमन शर्मा

पर पड़ी। उसने सभी मित्रों को बुलाया। इतने सारे लड्डू देखकर बच्चे सोच में पड़ गए। इतने में आदित्य प्रकाश सामने आ गए। रवि ने उत्सुकता से पूछा — अंकल, ये लड्डू - - - -। हाँ-हाँ बच्चो, ये लड्डू मैंने तुम्हारे लिए ही रखे हैं। बच्चों की आँखों में चमक आ गई। आदित्य प्रकाश जी मुसकराते हुए बोले — एक खेल खेलते हैं। तुम सब बीस कदम की दूरी पर एक के पीछे एक पंक्ति में खड़े हो जाओ। जब मैं एक, दो, तीन बोलूँ, तो डिब्बे की तरफ़ दौड़कर जाना है। जो सबसे पहले पहुँच जाएगा, सब लड्डू उसे मिल जाएँगे। बच्चे एक-दूसरे की तरफ़ देखकर मुसकराए। सब बच्चे एक लाइन में खड़े हो गए। आदित्य प्रकाश जी बोले — तैयार, एक - दो - तीन ! सब बच्चों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और एक साथ गाते हुए गुलमोहर के पेड़ की ओर बढ़ने लगे —

हम चलेंगे साथ-साथ, थामे एक-दूसरे का हाथ
बढ़ाएँगे हर कदम, हम चलेंगे संग-संग।

दूर बैठे आदित्य जी बड़े ध्यान से बच्चों को देख रहे थे। सोच रहे थे — अब ज़रूर आपस में खींचा-तानी होगी और पहले पहुँचने की होड़ लगेगी।

बच्चे कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ते गए। डिब्बे के पास पहुँचकर सब एक साथ रुक गए। बारी-बारी सबने एक-एक लड्डू उठाया। अंत में डिब्बे में एक लड्डू बच गया।

सब आदित्य अंकल के पास पहुँचे और धन्यवाद कहते हुए

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-1 (उबंटू) टीचर - सुमन शर्मा

जाने लगे। आदित्य प्रकाश जी बोले - ठहरो बच्चो, तुम्हारे मेल जोल को देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया हूँ।

सब एक साथ बोले - अपने साथियों को उदास करके हम कैसे खुश रह सकते हैं। एक छोटा-सा बच्चा जॉन आदित्य अंकल के पास जाकर भोलेपन से बोला - अंकल, मैं उबंटू हूँ क्योंकि हम सब हैं उबंटू।

नोट → • सभी विद्यार्थी पाठ-1 'उबंटू' को दो-तीन बार उच्च स्वर में पढ़ने का अभ्यास करेंगे।

- सभी बच्चे प्रतिदिन हिन्दी पढ़ने का अभ्यास अवश्य करेंगे।
- मात्राओं के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग-2 उपविषय - पाठ-9
(प्रश्न / उत्तर)

सुप्रभात बच्चो!

यह पाठ कक्षा - दूसरी, विषय - हिन्दी पाठ्य पुस्तक - नवतरंग-2, पाठ नं० 9 'उबंटू' से लिया गया है।

बच्चो! आज हम पाठ-9 'उबंटू' के पीछे दिए गए प्रश्न / उत्तर करेंगे। यह सारा कार्य आप अपनी हिन्दी की नोटबुक में लिखोगे।

पाठ बोध

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर शब्दों में लिखें —

क) आदित्य प्रकाश जी किस पेड़ के नीचे बैठते थे?
उत्तर — आदित्य प्रकाश जी गुलमोहर के पेड़ के नीचे बैठते थे।

ख) डिब्बे में कितने लड्डू रखे थे?
उत्तर - डिब्बे में उन्नीस लड्डू रखे थे।

ग) सबसे पहले पहुँचने वाले बच्चे को क्या मिलता था?
उत्तर - सबसे पहले पहुँचने वाले बच्चे को सारे लड्डू मिलते थे।

उपविषय - पाठ -1 उबंटू (प्रश्न/उत्तर)

टीचर - सुमन शर्मा

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें -

क) आदित्य प्रकाश जी ने खेल की योजना क्यों बनाई ?

उत्तर - आदित्य प्रकाश जी ने खेल की योजना इसलिए बनाई क्योंकि वे बच्चों का आपसी प्रेम देखना चाहते थे।

ख) डिब्बे के पास पहुँचकर सब बच्चों ने क्या किया?

उत्तर - डिब्बे के पास पहुँचकर सब बच्चे एक साथ रुक गए और बारी-बारी सबने एक-एक लड्डू डिब्बे में से ले लिया।

ग) आदित्य प्रकाश जी क्यों आश्चर्यचकित थे?

उत्तर - बच्चों का आपसी मेलजोल देखकर आदित्य प्रकाश जी आश्चर्य चकित थे।

घ) अंत में सबने आदित्य अंकल से क्या कहा?

उत्तर - अंत में सबने आदित्य अंकल से कहा - अपने साथियों को उदास करके हम कैसे खुश रह सकते हैं।

उपविषय - पाठ - 9 उबंटू टीचर - सुमन शर्मा

(प्रश्न / उत्तर)

☆ शब्द - अर्थ

1) योजना - काम करने की रूपरेखा

2) उत्सुकता - जानने की इच्छा

3) अचानक - एकदम

4) खींचा-तानी - लड़ाई-झगड़ा

5) आश्चर्यचकित - हैरान

6) उबंटू - मैं हूँ क्योंकि हम सब हैं।

☆ खाली स्थान भरो -

1) इतने सारे लड्डू देखकर बच्चे सोच में पड़ गए।

2) आदित्य प्रकाश जी कुछ दिन पहले ही गाँव आए थे।

3) पास में एक अमरूद का पेड़ था।

4) डिब्बे में उन्नीस लड्डू थे।

5) अंत में डिब्बे में एक लड्डू बच गया।

उपविषय – पाठ - 9 (उबंटू) टीचर - सुमन शर्मा
(प्रश्न / उत्तर)

★ वाक्य बनाओ –

1) पेड़ – बच्चे पेड़ के नीचे खेल रहे थे।

2) बच्चे - सब बच्चे लड्डू खाकर खुश थे।

3) डिब्बा – मेरे पापा बाज़ार से मिठाई का डिब्बा लाए हैं

4) उदास – रोहन कक्षा में उदास बैठा था।

(Last Page)